VIDYASAGAR UNIVERSITY

Midnapore, West Bengal

PROPOSED CURRICULUM & SYLLABUS (DRAFT) OF

BACHELOR OF ARTS WITH HINDI

(MULTIDISCIPLINARY STUDIES)

3-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME

(w.e.f. Academic Year 2023-2024)

Based on

Curriculum & Credit Framework for Undergraduate Programmes

(CCFUP), 2023 & NEP, 2020

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

VIDYASAGAR UNIVERSITY
BACHELOR OF ARTS IN HUMANITIES with HINDI
(*Under CCFUP, 2023*)

Level	YR.	SEM	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
								CA	ESE	TOTAL
B.A. in Human - ities with Hindi	2nd	III	**SEMESTER-III**							
			Major-A2	HINPMJ02	**T**: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा ***(To be studied by students taken Hindi as Discipline- A)***	4	3-1-0	15	60	75
			Major-A3	HINPMJ03	**P**: मध्यकालीन हिन्दी कविता ***(To be studied by students taken Hindi as Discipline- A)***	4	3-1-0	15	60	75
			SEC	SEC03	To be taken from SEC-03 of Discipline C.	3	0-0-3	10	40	50
			AEC	AEC03	Communicative English-2 (***common for all programmes***)	2	2-0-0	10	40	50
			MDC	MDC03	Multidisciplinary Course-3 (***to be chosen from the list***)	3	3-0-0	10	40	50
			Minor-3 (Disc.-C3)	HINMIN03	**T:** सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा (***To be studied by students taken Hindi as Discipline- C***)	4	3-1-0	15	60	75
			Semester-III Total			20				375
		IV	**SEMESTER-IV**							
			Major-B2		***To be decided*** ***(Same as Major–A2 for Hindi taken as Discipline-B)***	4	3-1-0	15	60	75
			Major-B3		***To be decided*** ***(Same as Major–A3 for Hindi taken as Discipline-B)***	4	3-1-0	15	60	75
			Major (Elective) -1	HINMJE-01	**T**: कबीर OR **हिन्दी निबंध** ***(To be studied by students taken Hindi as Discipline- A)***	4	3-1-0	15	60	75
			AEC	AEC04	MIL-2 (***common for all programmes***)	2	2-0-0	10	40	50
			Minor -4 (Disc.-C4)	HINMIN04	**T:** छायावाद ***(To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)***	4	3-1-0	15	60	75
			Summer Intern.	IA	Internship / Apprenticeship- **activities to be decided by the Colleges following the guidelines to be given later**	4	0-0-4	-	-	50
			Semester-IV Total			22				400
			TOTAL of YEAR-2			42	-	-	-	775

MJP = Major Programme (Multidisciplinary), MI = Minor, A/B = Choice of Major Discipline; C= Choice of Minor Discipline; SEC = Skill Enhancement Course, AEC = Ability Enhancement Course, MDC = Multidisciplinary Course, CA= Continuous Assessment, ESE= End Semester Examination, T = Theory, P= Practical, L-T-P = Lecture-Tutorial-Practical, MIL = Modern Indian Language

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

MAJOR (MJ)

Major A2/B2: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा **Credits 04 (Full Marks: 75)**

MJA2/B2T: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा **Credits 04**

Course contents:

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत।

संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव। समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन।

हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।

साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी) पत्रिका की साज-सज्जा, रंग-संयोजन।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

Major A3/B3: मध्यकालीन हिन्दी कविता **Credits 04 (Full Marks: 75)**

MJ A3/B3T: मध्यकालीन हिन्दी कविता **Credits 04**

Course contents:

- कबीर : **कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी**:
  - (क) माया महा ठगिनी हम जानी ..... जाकै हाथ विकानी।
  - (ख) मोको कहाँ ढूँढे बंदे , मैं तो तेरे पास में।
  - (ग) अरे इन दोउन राह न पाई ..... कौन राह ह्वै जाई।
  - (घ) मन ना रँगाए , रँगाए जोगी कपड़ा।
  - (ङ) साधो देखो जग बौराना .... साधेइनमें कौन दिवाना।
- सूरदास :
  - (क) काहै को गोपीनाथ कहावत ?
  - (ख) ऊधो मन नाहीं दस बीस।
  - (ग) ऊधो ! जहु तुम्हें हम जाने।
  - (घ) सँदेसो देवकी सों कहियो।
  - (ङ) काहे को रोकत मारम सूधो !
- तुलसीदास : **विनयपत्रिका : तुलसीदास , गीताप्रेस गोरखपुर**
  - (क) ऐसी मूढ़ता या मन की।
  - (ख) जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे।
  - (ग) अबलों नसानी अब न नसैहों।
  - (घ) ऐसे को उदार जग माहीं।
  - (ङ) जाके प्रिय न राम बैदेही।
- मीराबाई :
  - (क) मैं बिरहिणि बैठी जागू जगत सब सोवै री आली।
  - (ख) मैं गिरधर रंगराती सैयां मैं गिरधर रंगराती।
  - (ग) चलो मन गंगा जमना तीर।
  - (घ) नहीं ऐसा जनम बांरबार।
  - (ङ) मेरे मन राग बसी।
- **बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'**
  - (क) कनक कनक ते सौ गुनी , मादकता अधिकाय।
  - (ख) कौन भाँति रहि है बिरदु , देखिनी मुरारि।
  - (ग) लिखत बैठी जाकी सबिहिं , गहि गहि गरब गरूर।
  - (घ) इक भीजै बहललै परे बूड़े बहे हजार।
  - (ङ) आड़े दै आले बसन , जाड़े हूँ की रीति।
- **घनानंद :घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
  - (क) क्यों हँसि हेरि हम्यौ हियरा अरु क्यों हित कै चित चाह बढ़ाई।
  - (ख) पहिले अपनाय सुजान स्नेह सों, क्यों फिर तेह कै तोरियै जू।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

(ग) भोर ते साँझ लौं कानन ओर, निहारति बावरी नेकु न हारति।

(घ) झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत कानिन छवै।

(ङ) मीत सुजान अनीत करो जिन, हाहा न हूजियै मोहि अमोही।

❖ **सहायक ग्रंथ** :

1. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
4. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
5. कबीर – सं. विजेन्द्र स्नातक
6. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
7. सूरदास – ब्रजशेखर वर्मा
8. तुलसी-काव्य-मीमांसा – सं. उदयभानु सिंह
9. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. मध्यकालीन हिन्दी काव्य- भाषा – रामस्वरूप चतुर्वेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

Major Elective (MJE)-01: कबीर **Credits 04 (Full Marks: 75)**

MJE-01T: कबीर **Credits 04**

Course contents:

- **साखी :**
  - (क) सतगुर सवान को सगा.....,
  - (ख) चौसठ दीवा जोइ करि .....,
  - (ग) माया दीपक नर पतंग.....
  - (घ) सतगुर हम सुन रीझ करि.....
  - (ङ) कबीर बादल प्रेम का.....
  - (च) कबीर सुमिरन सार है.....
  - (छ) चकवी बिछुटी रैण की .....
  - (ज) बिरहा बिरहा जिन कहौ.....
  - (झ) सुखिया सब संसार है.....
  - (ञ) जब मई था तब हरि नहीं.....
  - (ट) कबीर कुता राम का.....
  - (ठ) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा .....
  - (ड) ऐसी बानी बोलिए माँ का आपा खोय .....
  - (ढ) हम घर जलया आफ्ना , लिया मुराड़ा हाथ.....
  - (ण) कबीर यह घर प्रेम का, खाला का घर नाहि.....

- **पद :**
  - (क) दुलहनी गावहु मंगलचार.....
  - (ख) एक अचंभा देखा रे भाई.....
  - (ग) सनतौ भाई आई ग्यान की आँधी.....
  - (घ) पांडे कवन कुमति तोहि लागी.....
  - (ङ) हम न मरे मरिहै संसारा.....
  - (च) ऐसा भेद बिगूचन भारी.....
  - (छ) काहे रे नलिनी तूँ कुम्हीलानी, तेरे ही नालि सरोवर पानी.....
  - (ज) अवधू गगन मण्डल घर कीजै .....
  - (झ) हरि जननी मै बालक तेरा.....
  - (ञ) मैं गुलाम मोहि बेच गुसाई.....
  - (ट) अकथ कहानी प्रेम की, कछु कही न जाई.....
  - (ठ) संत धोखा कासूँ कहिए.....
  - (ड) अब न बसूँ इहि गाँव गुसाई.....
  - (ढ) झूठा लोग कहै घर मेरा.....
  - (ण) लोका मति के भोरा रे.....

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

➢ **सहायक ग्रंथ :**

1. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीर – सं. विजेन्द्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
4. अकथ कहानी प्रेम की -- पुरुषोत्तम अग्रवाल
5. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी

OR

Major Elective (MJE)-01: हिन्दी निबंध **Credits 04 (Full Marks: 75)**

MJE-01T: हिन्दी निबंध **Credits 04**

Course contents:

(क) बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
(ख) चंद्रधर शर्मा गुलेरी - कछुआ धरम
(ग) रामचंद्र शुक्ल - कविता क्या है
(घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
(ङ) महादेवी वर्मा - जीने की कला
(च) रामधारी सिंह 'दिनकर' - भारत की सांस्कृतिक एकता
(छ) हरिशंकर परसाई - पगडंडियों का जमाना
(ज) विद्यानिवास मिश्र - अस्ति की पुकार हिमालय
(झ) निर्मल वर्मा - अतीत : एक आत्म-मंथन
(ञ) कुबेरनाथ राय - एक महाकाव्य का जन्म

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य का साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही ,प्र. सं. निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा
4. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ रामचंद्र तिवारी
6. रामचंद्र शुक्ल – मलयज
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य – उषा शर्मा

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231

MINOR (MI)

(To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)

MI-3/C3: Same as Minor-3 (HINMI03) of Hindi (Hons) programme **Credits 04**
Full Marks: 75

MI-4/C4: Same as Minor-4 (HINMI04) of Hindi (Hons) programme **Credits 04**
Full Marks: 75

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

(To be studied by students taken Hindi as Discipline- C)

SEC-03 P: Same as SEC-03 (HINSEC03) of Hindi (Hons) programme **Credits 03**
Full Marks: 50

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 09 Nov 2026 21:38:43 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=231